कार्यशाला | राज्यपाल ने एआई चैटबॉट 'स्पीच टू टेक्स्ट और टेक्स्ट टू स्पीच' लॉन्च किया

विकास के लिए एआई जरूरी : राज्यपाल

देहरादून, विशेष संवाददाता। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि विकास और समृद्धि के लिए एआई का उपयोग जरूरी है। नई तकनीकों का सावधानीपूर्वक और सतर्क उपयोग जीवन में चल रहे परिवर्तनों को आगे बढ़ा सकता है।

सोमवार को राजभवन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आयोजित 'एआई, मेटावर्स और क्वांटम कंप्यूटिंग के साथ कल का निर्माण' कार्यशाला में राज्यपाल ने विचार रखे। कार्यशाला का आयोजन वीर माधो सिंह भण्डारी तकनीकी विश्वविद्यालय, यूपीईएस और क्वांटम विश्वविद्यालय ने संयुक्त रूप से किया था। राज्यपाल ने इस मौके पर एआई चैटबॉट 'स्पीच टू टेक्स्ट और टेक्स्ट टू स्पीच' को लॉन्च किया। यूटीयू द्वारा तैयार इस चैटबॉट में वीडियो को टेक्स्ट और टेक्स्ट को वीडियो रूप में बदला जा सकेगा। राज्यपाल ने कहा कि आने वाला समय एआई, मेटावर्स और क्वांटम कंप्यूटिंग का है। इन तकनीकों को न अपनाने वाले देश विकास की दौड़ में बहुत पीछे रह जाएंगे।

यूटीयू के डॉ. विशाल कुमार और डॉ. अजित सिंह ने एआई पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यशाला में राज्यपाल के विधि परामर्शी अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव स्वाति एस. भदौरिया, वीसी-यूटीयू प्रो. ओंकार सिंह, वीसी-दून विवि प्रो. सुरेखा डंगवाल, वीसी-श्रीदेव सुमन विवि प्रो.एनके जोशी आदि मौजूद थे।

राजभवन में आयोजित कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ को सम्मानित करते राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि)। • हिन्दुस्तान